संक्रमण – फंगल

टीनिया
(रिंगवर्म और एथलीट फुट)

प्रमुख बिन्दु

रिंगवर्म

- बच्चों के बीच आपस में या किसी पालतू जानवर से बच्चों में फैल सकता है
- कवक-नाशक मलहमों व गोलियों से इसका उपचार संभव है

एथलीट फुट

- स्नानोपरान्त पैर भली-भाँति सुखायें
- पैरों को गर्म या आर्द्र न बना रहने दें
- दौड़ने वाले खेल के जूते लंबे समय तक न पहने रखें
- क्रीड़ोपरान्त पसीने युक्त जुराबें और जूते बदलें
- सूती या ऊनी जुराबें पहने
- ऐसी सैंडलें या जूते पहनें जो पैरों को गर्म और पसीनेदार न बनायें

यह क्या है?

टीनिया आम-तौर से पनपने वाला कवक (फंगस) का एक संक्रमण है। सिर की त्वचा और शरीर पर विकसित होने वाले टीनिया को रिंगवर्म कहते हैं और पैरों पर विकसित होने वाले टीनिया को एथलीट फुट कहते हैं। यह 2 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों में सामान्यतः नहीं पाया जाता है।

यह शरीर में कहां होता है?

सिर की त्वचा पर टीनिया छीलन लिए हुए केशहीन क्षेत्रों के रूप में दिखायी पड़ता है। शरीर पर यह स्पष्ट केंद्र लिए हुए लाल परिधि के रूप में दिखता है। गहरे वर्ण की त्वचा में लाल की अपेक्षा यह बैंगनी या भूरे रंग में नज़र आता है। पैरों पर यह खुजली या दरारें विकसित कर सकता है। यह लाली के साथ त्वचा को बदरंग करते हुए पैर के तलुओं में छीलन पैदा कर सकता है। नाखुनों पर टीनिया के विकसित हो जाने पर नाखुनों का रंग हल्का पीला या सफेद हो सकता है। नाखुनों के छोर ऊपर उठ सकते हैं और उनके नीचे पपड़ाहट पैदा हो सकती है।

इसके क्या कारण हैं?

टीनिया एक कवक-जनित संक्रमण है। यह कवक बच्चों के बीच आपस में सर सकता है, विषेशतः वह प्रजाति जो शरीर पर या सिर की त्वचा पर आम रिंगवर्म को जन्म देती

है। इस प्रजाति का टीनिया पाळतू बिल्ली या कुत्ते के बच्चों से फैळ सकता है। पैरों पर टीनिया विकसित करने वाळा कवक भिन्न है।यह कवक बहुधा सामुदायिक स्नानागारों या तरण-ताळों में पाया जाता है।घर में छोटे बच्चों के पैरों में टीनिया माता-पिता या बड़े भाई-बहनों के पैरों के संक्रमण से सर सकता है। दौड़ने वाळे खेळ के जूते पैरों को गर्म और पसीनेदार बनाते हैं, जिससे टीनिया के पनपने की संभावना बढ़ जाती है। नाखुनों में टीनिया पैर के टीनिया के साथ फैळ जाता है।

बचाव और उपचारः

रिंगवर्म

सिर की त्वचा और शरीर पर विकसित हुए टीनिया का उपचार चिकित्सक निर्दिष्ट कवक-नाशक एंटिबायोटिक दवाईयों द्वारा किया जा सकता है। दवाई-विक्रेता के पास उपळब्ध कवक-नाशक मळहमों का प्रयोग भी किया जा सकता है। यदि आपके बच्चे को रिंगवर्म हो, तो पशु-चिकित्सक द्वारा घर के पाळतू बिल्ली या कुत्ते के बच्चों की जॉच करवा ळें।

एथळीट फुट

कवक-नाशक मळहमों व ळोशनों के प्रयोग से पैर पर विकसित हुए टीनिया में सामान्यतः सुधार हो जाता है। नहाने या तैरने के बाद पैर और अंगुळियों के बीच की त्वचा को ध्यान से सुखाने से संक्रमण से बचा जा सकता है। दौड़ने वाळे खेळ के जूते ळंबे समय तक न पहने रखें। गर्म और आर्द्र वातावरण में पनपने वाळे टीनिया की रोक-थाम के ळिए पसीना सोखने वाळी सूती या ऊनी शोषक जुरावें सबसे अच्छी रहती हैं। नाखुनों में विकसित हुए टीनिया के उपचार के ळिए चिकित्सक निर्दिष्ट विशेष कवक-नाशक गोळियों की आवश्यकता होती है।

और अधिक जानकारी के ळिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के ळिए प्रशिक्षित नर्स

आपका फार्मेसिस्ट

आपका पारिवारिक चिकित्सक

त्वचा रोग विशेषज्ञ

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent's Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.